OM CHARITABLE TRUST

Regd. Office: 49, Five Furlong Road, Guindy, Chennai – 600032, Tamilnadu, India
Website: www.omcharitabletrust.com E-mail: omcharitabletrust@gmail.com
Ph: 91-9600043276, 91-9551051437

वैदिक विज्ञान विकासिनी सभा

(ओम् चैरिटेबल ट्रस्ट का परीक्षा विभाग)

परीक्षा परिपत्र – 2027

1. आयोजित की जाने वाली परीक्षाएँ

वैदिक विज्ञान विकासिनी सभा द्वारा निम्नलिखित तीन स्तरों पर आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में सम्मिलित होने के इच्छुक पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं जिनके लिए आवेदन **30 नवंबर 2026** तक (या उससे पहले) किए जा सकते हैं।

- **प्रवेश स्तर** (Praveśa): प्रकृतिपाठ (मूलम्) – पूर्वभाग
- **प्रवृद्ध स्तर** (Pravṛddha): क्रमपाठ – उत्तरभाग
- **प्रकृष्ट स्तर** (Prakṛṣṭa): घनपाठ – विशेषभाग

निम्नलिखित वेदों तथा उनकी संबंधित शाखाओं में परीक्षाएँ आयोजित की जाएँगी:

1.**ऋग्वेद:** शाकल शाखा 2.**शुक्ल यजुर्वेद:** काण्व एवं माध्यन्दिन शाखाएँ

3.**कृष्ण यजुर्वेद:** तैत्तिरीय शाखा 4.**सामवेद:** कौथुम, जैमिनीय एवं राणायनीय शाखाएँ

5.**अथर्ववेद:** शौनक एवं पिप्पलाद शाखाएँ

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए https://omcharitabletrust.com/vedaexam के लिंक पर क्लिक करें। मदद के लिये: 9600043276

2. आयु-सीमा एवं पात्रता

30 जून 2027 को अभ्यर्थी की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। निम्नलिखित श्रेणियों के अभ्यर्थी आवेदन करने के पात्र होंगे:

a) वे विद्यार्थी जो किसी पाठशाला में अध्ययनरत हैं अथवा किसी आचार्य के अधीन व्यक्तिगत रूप से अध्ययन कर रहे हैं तथा निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्ण कर चुके हैं।

b) वे विद्यार्थी जो उसी पाठशाला अथवा किसी अन्य संस्थान में उच्चतर अध्ययन कर रहे हैं।

c) वे व्यक्ति जिन्होंने अपना वैदिक अध्ययन पूर्ण कर लिया है तथा वर्तमान में स्वरोजगार में संलग्न हैं अथवा किसी संस्था या प्रतिष्ठान में कार्यरत हैं।

3. विभिन्न स्तरों में प्रवेश हेतु पात्रता

जिन लोगों ने नीचे दिए गए पहले कॉलम में उल्लिखित अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षाएं पास की हैं, और जिन्होंने दूसरे कॉलम में बताई गई सभा की परीक्षाएं पास की हैं, वे तीसरे कॉलम में दी गई सभा की परीक्षाओं में शामिल होने के पात्र हैं।

अन्य संस्थाओं में उत्तीर्ण परीक्षा	वै वि वि सभा में उत्तीर्ण परीक्षा	वै वि वि सभा की जिस परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता होगी
घनपाठ / विशेषभाग	क्रमपाठ / उत्तरभाग	प्रकृष्ट
क्रमपाठ / उत्तरभाग	मूलपाठ / पूर्वभाग	प्रवृद्ध
मूलपाठ / पूर्वभाग	—	प्रवेश

उपर्युक्त पात्रता इस परिपत्र में निर्धारित अन्य सभी शर्तों की पूर्ति के अधीन होगी।

OM CHARITABLE TRUST

Regd. Office: 49, Five Furlong Road, Guindy, Chennai – 600032, Tamilnadu, India
Website: www.omcharitabletrust.com **E-mail: omcharitabletrust@gmail.com**
Ph: 91-9600043276, 91-9551051437

4. परीक्षा की प्रक्रिया

परीक्षाएँ दो चरणों में आयोजित की जाएँगी। दोनों चरणों की परीक्षाएँ "v3 exam" Web App के माध्यम से ऑनलाइन ही संपन्न होंगी।

प्रथम चरण की परीक्षा में उच्च अंक (सामान्यतः 70 प्रतिशत से अधिक) प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को ही छाँटकर द्वितीय चरण की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति दी जाएगी।

5. परीक्षा का स्वरूप एवं सामान्य निर्देश

a) परीक्षाएँ पूर्णतः मौखिक होंगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित पाठ्यांशों का सम्पूर्ण पाठ कण्ठस्थ रूप से सुनाना होगा।

b) परीक्षा के दौरान किसी भी पुस्तक, पाण्डुलिपि अथवा अन्य संदर्भ सामग्री या उपकरण का उपयोग करना पूर्णतः निषिद्ध है।

c) परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की बाहरी सहायता लेने की अनुमति नहीं होगी।

d) अभ्यर्थियों को केवल ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। द्वितीय चरण की परीक्षा में मोबाइल डेटा कनेक्शन का उपयोग अनुमत नहीं होगा।

6. परीक्षा का कार्यक्रम

- **प्रथम चरण की परीक्षाएँ:** जनवरी 2027।
- **द्वितीय चरण की (अंतिम) परीक्षाएँ:** मार्च–अप्रैल 2027।

परीक्षा के दोनों चरण केवल "v3 exam" Web App के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किए जाएँगे।

7. प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरण

प्रमाणपत्रों एवं नकद पुरस्कारों का वितरण जुलाई 2027 में चेन्नई में आयोजित एक विशेष समारोह में किया जाएगा।

पात्र अभ्यर्थियों के यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति तथा नकद पुरस्कारों का भुगतान केवल NEFT बैंक हस्तांतरण के माध्यम से किया जाएगा।

8. प्रदर्शन में सुधार का अवसर

अभ्यर्थियों को अपने पूर्व प्रदर्शन में सुधार करने के उद्देश्य से सभा द्वारा आयोजित परीक्षाओं में पुनः सम्मिलित होने की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जाएगी:

a) अभ्यर्थी को निर्धारित 30 वर्ष की आयु-सीमा के भीतर होना चाहिए।

b) जिस वर्ष अभ्यर्थी ने मूलतः परीक्षा उत्तीर्ण की है, उस वर्ष से तीन वर्ष के भीतर वह पुनः परीक्षा में सम्मिलित हो सकता है।

c) यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति तथा अतिरिक्त नकद पुरस्कार की पात्रता तभी होगी, जब अभ्यर्थी बाद की परीक्षा में अपने पूर्व प्रदर्शन से बेहतर परिणाम प्राप्त करे।

9. यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति

पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मिलित होने हेतु यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी:

a) **विद्यार्थी:** विद्यार्थी के पाठशाला-स्थान से (निजी रूप से परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों एवं परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् पाठशाला में अपनी पढ़ाई छोड़ चुके विद्यार्थीयों के लिए उनका निवास-स्थान से) समारोह-स्थल तक की यात्रा का वास्तविक व्यय अथवा सबसे छोटे मार्ग से द्वितीय श्रेणी शयनयान (बिना वातानुकूलन) रेल किराए के समतुल्य राशि, इन दोनों में से जो कम हो, उसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी। भोजन पर किया गया वास्तविक व्यय, अधिकतम 12 घंटे की अवधि के लिए ₹250 तक, स्वीकार्य होगा।

b) **साथ आने वाले आचार्य:** विद्यार्थियों के साथ आने वाले आचार्यों का यात्रा व्यय वास्तविक खर्च के आधार पर, किन्तु रेलगाड़ी के तृतीय वातानुकूलित शयनयान श्रेणी के किराए के समतुल्य अधिकतम सीमा तक, प्रतिपूर्ति किया जाएगा। यह सुविधा उन विद्यार्थियों को भी प्रदान की जाएगी, जिनकी एक तरफ़ की यात्रा में 16 घंटे से अधिक का समय लगता है।

c) **स्थानीय परिवहन:** ऑटो-रिक्शा द्वारा स्थानीय आवागमन पर किए गए वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

10. अस्वीकार करने का अधिकार

यदि किसी भी आधार पर, चाहे वह इस परिपत्र में स्पष्ट रूप से उल्लिखित हो अथवा अन्यथा, कोई अभ्यर्थी अपात्र पाया जाता है, तो ट्रस्ट को उसका आवेदन अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

11. मूल्यांकन एवं परिणामों की अंतिमता

परीक्षाएँ एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया निर्धारित मानकीकृत नियमों के अनुसार कड़ाई से संपन्न की जाएगी।

ट्रस्ट द्वारा गठित परीक्षक-मंडल द्वारा प्रदान किए गए अंक अंतिम एवं सर्वमान्य होंगे। प्रदान किए गए अंकों के संबंध में किसी भी प्रकार की अपील अथवा विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

12. परीक्षा का स्वरूप एवं प्रश्नों के प्रकार

अभ्यर्थियों की निर्धारित वैदिक पाठ्यांशों में निपुणता, शुद्धता एवं अधिकारपूर्ण ज्ञान का आकलन करने के लिए व्यापक एवं कठोर परीक्षा ली जाएगी।

परीक्षा का एक प्रमुख भाग **समान पंक्ति प्रश्न** (Samānā Paṅkti Praśna) होगा। इसमें परीक्षकों द्वारा बताए गए प्रारंभिक शब्दों के आधार पर अभ्यर्थियों को संबंधित पञ्चाशत्, ऋक्, मन्त्र अथवा साम का पाठ करना होगा।

समान पंक्ति प्रश्नों के अतिरिक्त निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न भी पूछे जाएँगे:

a) **संख्या प्रश्न** (Saṁkhyā Praśna – **संख्यात्मक प्रश्न**)

प्रश्नों में केवल काण्ड, अध्याय, प्रश्न, पञ्चाशत्, वर्ग, ऋक्, मन्त्र आदि की क्रम-संख्या बताई जाएगी। अभ्यर्थियों को उस संख्या से संबंधित पाठ्यांश की पहचान करके उसका पाठ करना होगा।

b) **उत्तरा पंक्ति प्रश्न** (Uttarā Paṅkti Praśna – **अगली पंक्ति के प्रश्न**)

परीक्षक द्वारा निर्दिष्ट पञ्चाशत्, वर्ग, ऋक् अथवा मन्त्र के तुरंत बाद आने वाले अगले पञ्चाशत्, वर्ग, ऋक् अथवा मन्त्र का पाठ अभ्यर्थियों को करना होगा।

c) **विशेष प्रश्न** (Viśeṣa Praśna – **विशिष्ट प्रश्न**)

इन प्रश्नों के माध्यम से निर्धारित मन्त्रों के विशेष एवं पुनरावृत्त होने वाले पाठांशों अथवा उनकी विशेषताओं के संबंध में अभ्यर्थियों के ज्ञान की परीक्षा ली जाएगी।

ट्रस्ट के न्यासीगण

OM CHARITABLE TRUST

Regd. Office: 49, Five Furlong Road, Guindy, Chennai – 600032, Tamilnadu, India
Website: www.omcharitabletrust.com E-mail: omcharitabletrust@gmail.com
Ph: 91-9600043276, 91-9551051437

वैदिक विज्ञान विकासिनी सभा

परीक्षा पाठ्यक्रम

परीक्षा / वेद	(शाखा)	प्रवेश स्तर	प्रवेश स्तर	प्रकृष्ट स्तर
ऋग्वेद	(शाकल)	संहिता अष्टकम 1 – 8 प्रकृतिपाठ	संहिता अष्टकम 1 – 8 क्रमपाठ और ऐतरेय उपनिषद्	संहिता अष्टकम 1 - 8 घनपाठ, ऐतरेय उपनिषद
शुक्लयजुर्वेद	(काण्व & माध्यन्दिन)	संहिता अध्याय 1 - 40 प्रकृतिपाठ	संहिता अध्याय 1 – 40 क्रमपाठ और बृहदारण्यक उपनिषद्	संहिता अध्याय 1 - 40 घनपाठ, बृहदारण्यक उपनिषद
कृष्णयजुर्वेद	(तैत्तिरीय)	संहिता काण्डम 1 - 7, तैत्तिरीय ब्राह्मणम अष्टकम 1 - 3, आरण्यकम, काठकम, उपनिषद् और एकाग्नि काण्डम प्रकृतिपाठ	संहिता काण्डम 1 – 7 क्रमपाठ और तैत्तिरीय शाखा	संहिता काण्डम 1 - 7 घनपाठ तैत्तिरीय शाखा
सामवेद	(कौथुम & राणायनीय)	प्रकृति, आरणम, पूर्वार्चिकम उत्तरार्चिकम और मन्त्र ब्राह्मणम	ऊहम, रहस्यम और छान्दोग्योपनिषद्	अष्ठ ब्राह्मणम
सामवेद	जैमिनीय	प्रकृति, आरणम, पूर्वार्चिकम, आर्षेय ब्राह्मणम और केनोपनिषद्	उत्तरार्चिकम, ऊहम और रहस्यम	संहितोपनिषद् ब्राह्मणम और जैमिनीय महाब्राह्मणम
अथववदे	(शौनक & पिप्पलाद)	संहिता काण्डम 1 – 20 प्रकृतिपाठ	संहिता काण्डम 1 – 20, मुण्डक और माण्डूक्य उपनिषद् प्रकृतिपाठ और गोपथ ब्राह्मणम	